	भौतिक शास्त्र एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग **जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर** **कृषि मौसम सलाह सेवाएँ** ***(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)***	

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. डी. पी. शर्मा, डी. ई. एस., सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, फल विज्ञान –डॉ. रीना नायर, सब्जी विज्ञान – डॉ. प्रियंका दुबे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आशीष गुप्ता, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. अनिल सिंदे

वर्ष–2024	अंक–44	दिनांक 11 से 15 सितम्बर 2024	दिनांकः 10.09.2024

(जिला जबलपुर के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से जारी)

आगामी पॉच दिनो का मौसम पूर्वानुमानः–

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान घने बादल रहने एवं 768.0 मिमी. वर्षा होने की संभावना है। हवा 19.6 से 26.0 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम दिशां से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 27.3 से 30.2 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22.3 से 25.2 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

मौसमी तत्व /दिनाँक	11/09/2024	12/09/2024	13/09/2024	14/09/2024	15/09/2024
वर्षा (मि.मी.)	150	174	187	99	158
अधिकतम तापमान (डि.से.)	30.2	28.5	27.4	27.3	27.4
न्यूनतम तापमान (डि़.से.)	25.2	23.4	22.3	22.9	22.6
आपेक्षित आद्रता (सुबह)	94	96	95	95	96
आपेक्षित आद्रता (षाम)	85	84	80	77	79
हवा की गति (कि.मी./घण्टा)	19	26	24	22	19
हवा की दिशा	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम
बादलों की स्थिति	घने	घने	घने	घने	घने

फसल की अवस्था, प्रमुख कीट और रोग तथा साप्ताहिक कृषि मौसम सलाह

सामान्य सलाह	आनेवाले 3-4 दिनों के दौरान गरज-चमक के साथ भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने तथा आसमान में बादल (90-100%) छाये रहने की संभावना है। दिन का अधिकतम तापमान 27 से 30 डि.से. तथा रात का न्यूनतम तापमान 22 से 25 डि.से. के बीच रहने की संभावना है। हवा की गति औसत गति 19 से 26 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। आनेवाले 3-4 दिनों के दौरान गरज-चमक के साथ भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है। अत: किसान भाई बरसात के समय खुले आसमान में जाने से बचे तथा पेडों के नीचे न खडें हों क्यों कि बिजली गिरने का खतरा बना रहता हैं।		
मुख्य फसलें	**फसलों की अवस्था**	**मुख्य रोग एव् कीट**	**मौसम आधारित सलाह**
सब्जियां, तिलहनी तथा दलहनी फसल			आनेवाले 3-4 दिनों के दौरान गरज-चमक के साथ भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, किसान भाई सब्जियों, तिलहनी तथा दलहनी फसलों में जल भराव की समस्या हो सकती है, अत: किसान भाई, जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
धान	बानस्पतिक	-	किसान भाई धान की फसल में पानी सग्रहित करने हेतू मैडों की मरम्मत करें तथा खरपतवार निकालने का कार्य करें इसके पश्चात संस्तुत मात्रा में नत्रजन उर्वरक का छिड़काव करें।
मूंग एवं उडद	परिपक्व		आनेवाले 3-4 दिनों के दौरान गरज-चमक के साथ भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने तथा आसमान में बादल छाये रहने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, किसान भाई तैयार मूंग एवं उडद की शीघ्र कटाई करें तथा कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान में रखें।
उड़द, मूंग तथा सोयाबीन	बानस्पतिक	पीला पत्ता	देर से बोई गयी उड़द, मूंग और सोयाबीन की फसल में पीला पत्ता रोग का प्रकोप देखा जा रहा है, अत: किसान भाई फसलों का निगरानी करें तथा खेत में ग्रसित पौधे पाये जाने पर रोकथाम हेतु ग्रसित पौधे को उखाड़कर जमीन के अन्दर दबा दें।
फल, फूल और सब्जियाँ-:			
अदरक	बानस्पतिक	-	अदरक में कंद गलन रोग का प्रकोप देखा जा रहा है, अत: किसान भाई फसल का निरीक्षण करें तथा खेत में पानी न भरने दें।

फल बाग	बानस्पतिक	-	फल बागों में पौधों के थालों की निंदाई-गुड़ाई का कार्य अवश्य करें तथा संतुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरक भी दें।
पशुधन	आनेवाले 3-4 दिनों के दौरान गरज-चमक के साथ भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा तथा आसमान मे बादल (90-100%) छाये रहने के कारण धूप की अवधि में कमी को देखते हुए, किसान भाई मुर्गी घरो में रात के समय 4-5 घंटे रोशनी की व्यवस्था करें तथा वातावरण में हो रही नमी वृद्धि से मुर्गी घरों में नमी की वृद्धि को रोकने हेतु चूने तथा लकड़ी के बुरादा का फर्श पर भुरकाव करें। गायों एवं भैसों में पेट के कीड़ों की दवा उनके शरीर के वजन के अनुसार दें, इसके अतिरिक्त गर्भवती गायों एवं भैसों को 250-300 ग्राम संतुलित आहार खाने के लिए देना चाहिए। बारिश का पानी पशुशाला में जमा न होने दें। जानवरों को सूखी जगह पर बांधें। पशुशाला की नियमित रूप से सफाई करें और सप्ताह में दो बार जानवरों की पानी की टंकी में चूना डालें।		

(यह एक कानूनी दस्तावेज नहीं है) **नोडल अधिकारी,**